

**Conference Paper**

सतत् विकास के संदर्भ में हनुमानगढ़ जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन

सुलोचना^{1*}, डॉ. आलोक श्रीवास्तव², संदीप³

¹ शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय, बूंदी, राजस्थान, भारत

² प्रोफेसर, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, भारत

³ शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय झूंगर महाविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान, भारत

Corresponding Author: * सुलोचना

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.18075661>

सारांश

विकास के संदर्भ में होने वाले सामाजिक एवं आर्थिक विकास के द्वारा एक ऐसे समाज एवं अर्थव्यवस्था की स्थापना की जा सकती है, जिसमें समावेशी आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं उपलब्ध संसाधनों के उचित प्रबंधन तथा समान सामाजिक विकास के अवसर निहित हो। शोध क्षेत्र के रूप में राजस्थान राज्य के हनुमानगढ़ जिले का चयन किया गया है। वर्ष 2020 एवं 2024 की एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट से अध्ययन क्षेत्र द्वारा 13 विकास लक्ष्यों की प्राप्ति का स्कोर संकलित कर विश्लेषण किया गया है। जिससे यह तथ्य सामने आता है की, हनुमानगढ़ जिला वर्ष 2020 में एसडीजी रिपोर्ट के मुताबिक तीन सतत् विकास लक्ष्यों में एस्पिरेंट, तीन लक्ष्यों में परफॉर्मर तथा छः लक्ष्यों में फ्रंट रनर श्रेणी में और औसत स्कोर (60.21 प्रतिशत) के आधार पर परफॉर्मर श्रेणी में रहा है। वर्ष 2024 में औसत स्कोर 60.52 प्रतिशत रहा है, जिसमें तीन सतत् विकास लक्ष्यों में एस्पिरेंट, चार में परफॉर्मर, जबकि सात लक्ष्यों में फ्रंट रनर श्रेणी में रखा गया है। 2020 के सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के औसत स्कोर की अपेक्षा 2024 के स्कोर में सिर्फ 0.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है, कि सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है। भविष्य में सामुदायिक सहभागिता, नीतिगत सुधार और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है, ताकि सतत् विकास को और मजबूत किया जा सके।

Manuscript Information

- ISSN No: 2583-7397
- Received: 12-12-2024
- Accepted: 28-02-2025
- Published: 05-03-2025
- IJCRM:4(SP1); 2025: 223-229
- ©2025, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

सुलोचना, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, संदीप. सतत् विकास के संदर्भ में हनुमानगढ़ जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन. Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(6):223-229.

Access this Article Online



www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: सतत् विकास, सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, एस्पिरेंट, फ्रंट रनर, परफॉर्मर।

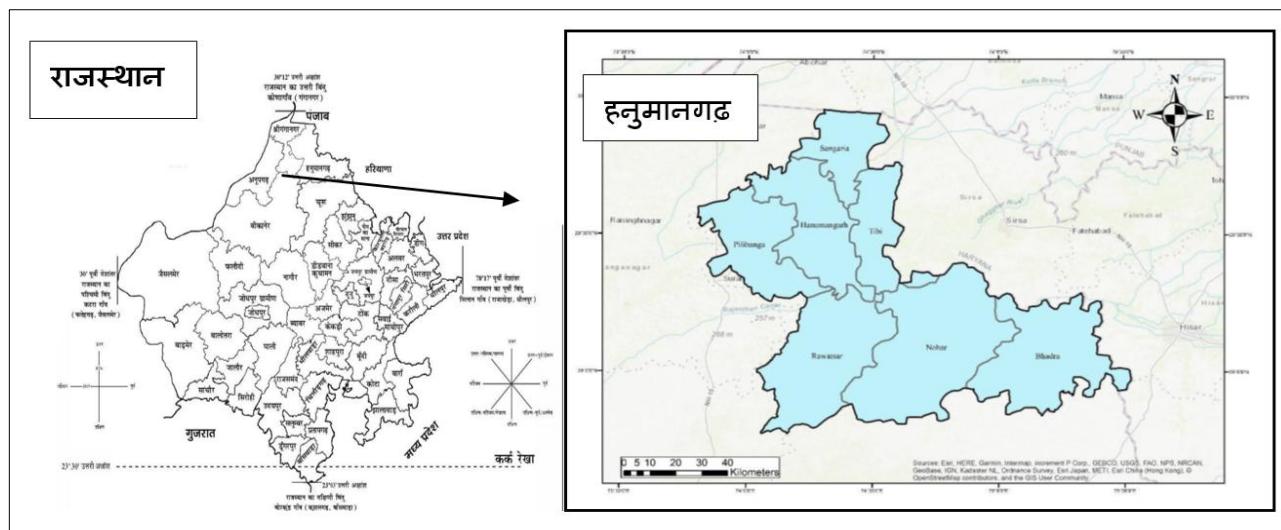
प्रस्तावना

सतत् विकास एक दूरदर्शी योजना है, जो मौजूदा संसाधनों का इस प्रकार उपयोग करने पर बल देती है, कि भविष्य की पीढ़ीयों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा किया जाए। (ब्रूचलैंड रिपोर्ट, 1987) सतत् विकास के तहत एक ऐसी अर्थव्यवस्था की स्थापना की जा सकती है, जो पर्यावरण का संरक्षण करने के साथ ही समाज को विकसित बनाए। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2015 में सतत् विकास की अवधारणा को आधार बनाते हुए 17 सतत् विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) का निर्धारण किया गया - जिनमें सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले कारकों को शामिल किया गया। इन लक्ष्यों को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एसडीजी का कार्यान्वयन और सफलता प्रत्येक देश की सतत् विकास

नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों पर निर्भर करती है। (SDG Progress Report, 2024)

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन हनुमानगढ़ जिले पर केंद्रित है, जो राजस्थान राज्य का उत्तरी जिला है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 9,656 वर्ग किलोमीटर है। हनुमानगढ़ पंजाब एवं हरियाणा राज्य के साथ अंतरराज्यीय सीमा बनाता है, तथा जिले के उत्तर-पश्चिम में श्रीगंगानगर, दक्षिण-पश्चिम में बीकानेर व दक्षिण में चुरू जिला स्थित है। हनुमानगढ़ जिला 28°35' उत्तरी अक्षांश से 29°57' उत्तरी अक्षांश तथा 73°49' पूर्वी देशान्तर से 75°31' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। अध्ययन क्षेत्र भू-आकृतिक दृष्टि से उत्तरी-पश्चिमी मरुस्थल प्रदेश का हिस्सा है, तथा जलवायुविक दृष्टि से अर्द्ध शुष्क क्षेत्र के अंतर्गत आता है।



मानचित्र 1: हनुमानगढ़ जिला (अवस्थिति मानचित्र)

उद्देश्य

1. हनुमानगढ़ जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का विश्लेषण करना।
2. सतत् विकास लक्ष्यों का अध्ययन क्षेत्र के स्थानीय समुदाय के संदर्भ में मूल्यांकन करना।

आँकड़े एवं शोध विधि

प्रस्तुत शोध में द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग करते हुए वर्णनात्मक शोध पद्धति को आधार बनाया गया है। आँकड़े आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय - राजस्थान (जयपुर) द्वारा जारी जिला सांख्यिकी रूपरेखा तथा एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, राजस्थान द्वारा जारी एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट से लिए गए हैं। एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0 (2020) व एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 5.0 (2024) से तथ्यों का

संकलन कर हनुमानगढ़ जिले के सतत् विकास लक्ष्यों से संबंधित आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास से संबंधित अन्य आँकड़े हनुमानगढ़ जिला सांख्यिकी रूपरेखा (2022) व राजस्थान सरकार की विभिन्न वेबसाइट से लिए गए हैं।

साहित्यिक समीक्षा

सतत् विकास लक्ष्यों का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, सामाजिक एवं आर्थिक विकास से संबंधित सभी पहलुओं पर एक साथ ध्यान केंद्रित करना है। (राचेल एमास, 2015)

प्रो. आर. एन. शर्मा व रवि प्रकाश (2023) द्वारा राजस्थान में सामाजिक-आर्थिक विकास के स्तर में क्षेत्रीय विषमताओं का भौगोलिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में मुख्य 10 संकेतकों को आधार बनाया, जिसमें से कुछ संकेतक सतत्

विकास लक्ष्यों से सबंधित हैं। प्रो. शर्मा एवं रवि प्रकाश ने निष्कर्षतः कहा कि राजस्थान का सामाजिक-आर्थिक विकास भौतिकी कारकों द्वारा प्रभावित है। प्रो. रविशंकर शुक्ला (2017) द्वारा छत्तीसगढ़ में सामाजिक-आर्थिक कल्याण के स्थानिक प्रतिस्रूप का अध्ययन पेयजल की उपलब्धता, ऊर्जा की उपलब्धता, बैंकिंग सुविधा, आवास से सबंधित सुविधाओं आदि के आधार पर प्रस्तुत किया तथा बताया की छत्तीसगढ़ में सामाजिक-आर्थिक कल्याण में भिन्नता भौगोलिक एवं जनांकीय कारकों से निर्धारित होती है।

सामाजिक एवं आर्थिक विकास स्तर का मूल्यांकन

सामाजिक एवं आर्थिक विकास एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से सबंधित है। बिना आर्थिक विकास के सामाजिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। हनुमानगढ़ जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के स्तर का अंकलन सतत विकास लक्ष्यों को आधार बनाकर किया जा रहा है। सतत विकास सूचकांक में से शोध अध्ययन के लिए निम्न लक्ष्यों को शामिल किया गया है – 1. गरीबी की समाप्ति, 2. भुखमरी की समाप्ति, 3. अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर, 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, 5. लैंगिक समानता, 6. स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता, 7. सत्सी एवं स्वच्छ ऊर्जा, 8. अच्छा काम एवं आर्थिक विकास, 9. उद्योग एवं बुनियादी ढांचा, 10. टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास 11. टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन 12. भूमि पर जीवन, 13. शांति एवं न्याय के लिए संस्थान।

गरीबी उन्मूलन

सतत विकास लक्ष्यों में गरीबी को खत्म करना सबसे पहला लक्ष्य रखा गया है। इसमें गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों को शामिल किया जाता है। जिन परिवारों की आय सालाना 20,000 से कम हो, उन्हें बीपीएल श्रेणी में गिना जाता है। सरकार द्वारा बीपीएल परिवारों को बीपीएल कार्ड आवंटित किए जाते हैं, जिनके माध्यम से खाद्य सुरक्षा, बीपीएल परिवार के बच्चों को शिक्षा सहायता, आवास व बिजली, सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध करवाकर गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

तालिका 1: गरीबी उन्मूलन में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | स्कोर (प्रतिशत में) |
|------------------------|------|---------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 60.59 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 69.01 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय: राजस्थान

राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी बीपीएल कार्ड के अँकड़ों के अनुसार हनुमानगढ़ जिले में वर्ष 2020 में बीपीएल एवं स्टेट बीपीएल कार्ड की कुल संख्या 65,244 थी, जो वर्ष 2024 में 3,372 की कमी के साथ 61,872 रह गई।

भुखमरी की समाप्ति तथा अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर

एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0 में अध्ययन क्षेत्र का स्कोर भुखमरी की समाप्ति में 79 प्रतिशत था, जो वर्ष 2024 की एसडीजी सूचकांक

रिपोर्ट 5.0 में 13.97 प्रतिशत की कमी के साथ 65.03 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो नकारात्मक संकेत है।

तालिका 2: शून्य भुखमरी तथा अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | शून्य भुखमरी | अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर |
|------------------------|------|--------------|-------------------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 79 | 36.68 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 65.03 | 56.78 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय: राजस्थान

इस बात की पुष्टि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 2020 एवं 2024 की प्रगति रिपोर्ट से हो जाती है। वर्ष 2020 में खाद्य सुरक्षा के तहत लाभार्थियों की कुल संख्या जहां 1106545 थी, वो वर्ष 2024 में घटकर 993611 ही रह गई। इस कमी में दो पहलू निहित हैं- एक तो यह कि अध्ययन क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर बेहतर होने के कारण खाद्य सुरक्षा में पंजीकरण की जरूरत में कमी हुई होगी अथवा, खाद्य सुरक्षा के लिए पात्र लोग पंजीकरण से वंचित रह गए हों।

अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर का स्कोर स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि को प्रदर्शित कर रहा है। जिला सांख्यिकी रूपरेखा (2022) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र में एलोपैथिक, आयुर्वेदिक तथा होम्योपैथिक चिकित्सा सेवाओं से लाभान्वित होने वालों की संख्या वर्ष 2017-18 में 45,92,822 थी, जो वर्ष 2022 में 7,47,046 की वृद्धि के साथ 53,39,868 दर्ज की गई, जो राजकीय चिकित्सालयों में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की ओर संकेत करती है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं लैंगिक समानता

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अर्थ है, ऐसी शिक्षा जो शिक्षार्थी का चहुँमुखी विकास करनें में सक्षम होने के साथ-साथ समावेशी एवं न्यायसंगत हो। लैंगिक समानता के अंतर्गत स्त्री एवं पुरुष दोनों को खुद के विकास के लिए समान अवसर उपलब्ध करवाए जाने का उद्देश्य निहित है, जिसमें सामाजिक एवं आर्थिक दोनों प्रकार के कारकों को शामिल किया जाता है।

तालिका 3: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं लैंगिक समानता एसडीजी सूचकांक में हनुमानगढ़ का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | गुणवत्तापूर्ण शिक्षा | लैंगिक समानता |
|------------------------|------|----------------------|---------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 81.24 | 73.96 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 72.41 | 33.21 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय: राजस्थान

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0(2020) व 5.0(2024) दोनों में ही अध्ययन क्षेत्र फ्रन्ट रनर श्रेणी में रहा है। विद्यालयों की संख्या बढ़ाई (वर्ष 2020 में 2016 तथा 2024 में 2122 विद्यालय) जाने एवं वर्ष 2021 से समग्र शिक्षा अभियान 2.0, जो पूर्णरूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर केंद्रित है, के चलाए जाने के बाद भी

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के स्कोर में कमी होना नकारात्मक तथ्य है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों में कमियों की ओर इंगित करता है।

स्वच्छ पानी एवं स्वच्छ ऊर्जा

स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के साथ ही प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक है। एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0 की अपेक्षा वर्ष 2024 की एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 5.0 में स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता के स्कोर में 19.23 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। हनुमानगढ़ जिला सांख्यिकी रूपरेखा (2022) के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में कुल 1907 गाँव हैं, परंतु पेयजल की सुविधा 1797 गाँवों में ही उपलब्ध है। यह आँकड़े भी स्वच्छ जल की पहुँच में कमी को प्रदर्शित कर रहे हैं।

तालिका 4: स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता और सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता | सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा |
|------------------------|------|--------------------------|------------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 97.65 | 57.15 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 78.42 | 57.56 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय: राजस्थान

सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा के स्कोर में कुछ वृद्धि देखने को मिली है। वर्ष 2020 में ऊर्जा के उपभोक्ताओं की संख्या 3,77,078 थी, जो 2022 में बढ़कर 4,13,452 हो गई। (हनुमानगढ़ जिला सांख्यिकी रूपरेखा 2022) स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के तहत घरों में सोलर पैनल लगाने के लिए अधिकतम 78,000 तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। (राजस्थान अक्षय ऊर्जा

निगम) सबंधित विद्युत वितरण विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में 1000 से अधिक घर ग्रीन और क्लीन ऊर्जा द्वारा प्रकाशित हो रहे हैं।

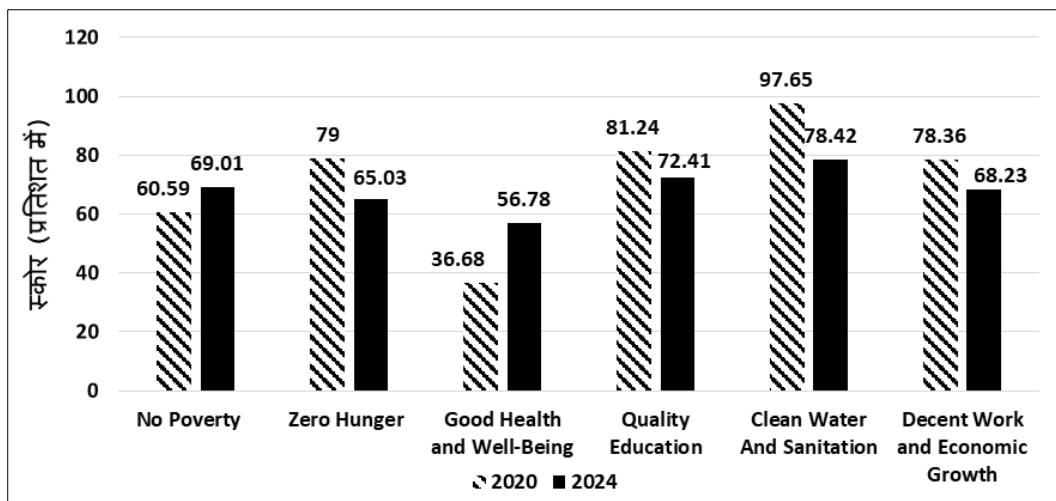
अच्छा काम एवं आर्थिक विकास तथा उद्योग एवं बुनियादी ढांचा
अच्छा काम एवं आर्थिक विकास से तात्पर्य आर्थिक विकास के साथ बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करना। उद्योग एवं बुनियादी ढांचे में उद्योग, परिवहन संरचना, दूरसंचार आदि को सम्मिलित किया जाता है। इस सतत विकास लक्ष्य का उद्देश्य एक लचीले आधारभूत ढांचे का विकास करने के साथ-साथ ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो टिकाऊ हो।

तालिका 5: अच्छा काम एवं आर्थिक विकास तथा उद्योग एवं बुनियादी ढांचा में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | अच्छा काम एवं आर्थिक विकास | उद्योग एवं बुनियादी ढांचा |
|------------------------|------|----------------------------|---------------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 78.36 | 38.54 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 68.23 | 50.13 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय: राजस्थान

एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0 (2020) की अपेक्षा एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 5.0 (2024) में अच्छा काम एवं आर्थिक विकास के स्कोर में कमी, जबकि उद्योग एवं बुनियादी ढांचा स्कोर में वृद्धि दर्ज की गई है। आर्थिक विकास का स्तर आमतौर पर सकल घरेलू उत्पाद व प्रति व्यक्ति आय के आधार पर मापा जाता है। अध्ययन क्षेत्र का वर्ष 2021 में प्रति व्यक्ति शुद्ध घरेलू उत्पाद 1,26,733 रुपए था, जिसमें 2020 (1,29,741रुपए) की अपेक्षा कमी दर्ज की गई है। (रिपोर्ट-Estimates of District Domestic Product of Rajasthan, 2020-21)



चित्र 1: हनुमानगढ़ जिले का सतत विकास लक्ष्यों में स्कोर

बुनियादी ढांचे में उद्योग एवं सड़क से सबंधित आँकड़े उपलब्ध हैं। सड़क के आंकड़ों में वर्ष 2017-18 (3606.19 किलोमीटर) की अपेक्षा 2021-22 (3824.57 किलोमीटर) में वृद्धि दर्ज हुई है। उद्योग विभाग (राजस्थान) द्वारा जारी हनुमानगढ़ जिला औद्योगिक क्षमता सर्वेक्षण रिपोर्ट (2022-23) के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में उद्योगिक क्षेत्र की कुल संख्या 8 है। बड़ी एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयां 3 तथा छोटी औद्योगिक इकाइयों की संख्या 3774 है, जिनसे 23,160 लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। वर्तमान में बैंक शाखाएँ 208 हैं, जो 2020 में 178 थीं। उद्योग एवं बुनियादी ढांचा लक्ष्य के स्कोर के

अनुसार अध्ययन क्षेत्र को एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 5.0 में परफॉर्म श्रेणी में शामिल किया गया है।

टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास तथा टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन

टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास का मतलब है, सभी तक आवास की पहुँच सुनिश्चित करना और गरीब जनसँख्या की आवासीय स्थिति को उन्नत करना। टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन में संसाधन निष्कर्षण, वितरण, विपणन आदि आर्थिक गतिविधियों से शुद्ध कल्याण लाभ बढ़ाना है।

तालिका 6: टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास तथा टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास | टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन |
|------------------------|------|--------------------------------|-------------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 67.78 | * |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 47.38 | 72.41 |

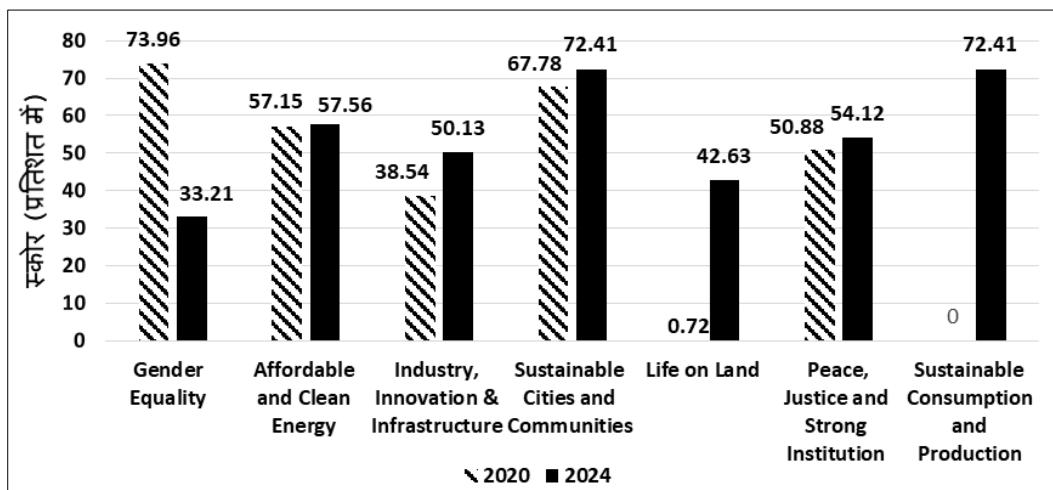
स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक व सांचिकी निदेशालय: राजस्थान

*आँकड़े अनुपलब्ध

वर्ष 2020 की एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट 1.0 व 2024 की रिपोर्ट 5.0 का तुलनात्मक विश्लेषण करने पर यह तथ्य सामने आता है, कि 2020 की अपेक्षा 2024 में टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास के स्तर में 20.4 प्रतिशत की गिरावट हुई है। टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास लक्ष्य के स्कोर में कमी आना शहरी एवं सामुदायिक विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रबंधन की उदासीनता को प्रदर्शित करता है।

टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन से सबंधित स्कोर एसडीजी रिपोर्ट 1.0 में अनुपलब्ध हैं, परंतु रिपोर्ट 5.0 में स्कोर 72.41 प्रतिशत रहा है, जो

अध्ययन क्षेत्र को परफॉर्म श्रेणी में शामिल करता है। जिला सांचिकी रूपरेखा (2022) से संकलित आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक विपणन सहकारी समितियों में सदस्य संख्या वर्ष 2018 में 18155 थी, जो 2022 में बढ़कर 21398 दर्ज की गई। अध्ययन क्षेत्र में कुल 335 भण्डार गृह हैं, जिनकी कुल भण्डारण क्षमता 273642 मेट्रिक टन है। शोध अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख खनिज जिष्सम है, जिसका उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। इस तथ्य की पुष्टि वर्ष 2017 में जिष्सम से हुई राजस्व की प्राप्ति (138.53 लाख रुपए) की अपेक्षा वर्ष 2022 में (1243.25 लाख रुपए) दर्ज की गई वृद्धि से हो जाती है।



चित्र 2: हनुमानगढ़ जिले का सतत विकास लक्ष्यों में स्कोर

भूमि पर जीवन तथा शांति एवं न्याय के लिए संस्थान

भूमि पर जीवन का मतलब है- पारिस्थितिकी का सरंक्षण एवं संवर्धन करना, भूमि क्षरण को रोकना, मरुस्थलीकरण को रोकना आदि। न्याय के लिए संस्थान में उचित न्यायालय व्यवस्था को सम्मिलित किया जाता है।

तालिका 7: भूमि पर जीवन तथा शांति एवं न्याय के लिए संस्थान में हनुमानगढ़ जिले का स्कोर (प्रतिशत में)

| एसडीजी सूचकांक रिपोर्ट | वर्ष | भूमि पर जीवन | न्याय के लिए संस्थान |
|------------------------|------|--------------|----------------------|
| एसडीजी रिपोर्ट 1.0 | 2020 | 0.72 | 50.88 |
| एसडीजी रिपोर्ट 5.0 | 2024 | 42.63 | 54.12 |

स्रोत: एसडीजी कार्यान्वयन केंद्र, आर्थिक व सांख्यिकी निदेशालय : राजस्थान

भूमि पर जीवन के सूचकांक स्कोर में वर्ष 2020 की अपेक्षा 2024 में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है। अध्ययन क्षेत्र में वृक्षारोपण से सबंधित वर्ष 2021-22 के आँकड़े उपलब्ध हैं। मरुस्थलीकरण को रोकने व पारिस्थितिकी सरंक्षण के तहत वर्ष 2021-22 में 5,77,930 वृक्षारोपण किया गया। न्याय के लिए संस्थान का स्कोर भी 2020 की रिपोर्ट के मुकाबले कुछ बढ़ा है, लेकिन फिर भी अध्ययन क्षेत्र एस्प्रेंट श्रेणी में शामिल है, जिसका अर्थ यह है, कि न्याय व्यवस्था को और बेहतर बनाने की जरूरत है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध कार्य में हनुमानगढ़ जिले के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के स्तर का सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को आधार मानकर मूल्यांकन किया गया है। गरीबी उन्मूलन, भुखमरी की समाप्ति के लक्ष्यों के स्कोर के आधार पर यह कहा जा सकता है, कि सामाजिक सुरक्षा सबंधी योजनाएं प्रभावी रही हैं; लेकिन स्वास्थ्य सबंधी सेवाओं के स्कोर में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है। इसलिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अधिक सुधार करने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता, अच्छा काम एवं आर्थिक विकास तथा टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास के स्कोर में गिरावट आई है, जो एक चिंताजनक तथ्य है। अच्छा काम एवं आर्थिक विकास के स्कोर में कमी रोजगार के अवसरों में कमी को प्रदर्शित कर रही है। उद्योग एवं बुनियादी ढांचा 2020(38.54 प्रतिशत) से बढ़कर 2024 में 50.13 प्रतिशत हो गया है। औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे में प्रगति हुई है, जो आर्थिक विकास को समर्थन दे रहा है। टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन का स्कोर 72.41 प्रतिशत है, जो सकारात्मक तथ्य है तथा संसाधनों का प्रबंधन बेहतर होने की ओर संकेत कर रहा है। भूमि पर जीवन एवं शांति एवं न्याय के लिए संस्थान के स्कोर की वृद्धि पर्यावरणीय जागरूकता एवं बेहतर न्याय व्यवस्था को दर्शा रही है। निष्कर्षतः आँकड़ों के विश्लेषण से हनुमानगढ़ जिले में सामाजिक एवं आर्थिक विकास के मिश्रित परिणाम सामने आए हैं। कुछ क्षेत्रों में सकारात्मक प्रगति हुई है, वहीं कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। विशेष रूप से रोजगार के अवसरों और शहरी विकास, लैंगिक समानता, रोजगार एवं आर्थिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए

ठोस नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है, ताकि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।

संदर्भ सूची

- Emas, Rachel. The Concept of Sustainable Development: Definition and Defining Principles (p.3). Florida International University; 2015.
- शर्मा, आर. एन. व पी., रवि (2023): राजस्थान राज्य में सामाजिक-आर्थिक विकास के स्तर में क्षेत्रीय विषमताएँ : एक भौगोलिक विश्लेषण; International Journal of Geography, Geology and Environment, 5(2):01-05
- Shukla PR. Spatial Pattern of Socio-economic Well-Being in Chhattisgarh; International Journal Reviews and Research in Social Science. 2017;5(3):171-180
- हनुमानगढ़ जिला सांख्यिकी रूपरेखा, 2022
- सतत विकास लक्ष्य प्रगति रिपोर्ट, 2024; U.N.
- <https://educationsector.rajasthan.gov.in/404>
- <https://food.rajasthan.gov.in/DistrictWiseCategoryDetails.aspx>
- <https://sdg.rajasthan.gov.in>
- <https://foundation.rajasthan.gov.in/rf/pdf/Hanumangarh>
- <https://energy.rajasthan.gov.in/rrecl/>
- <https://statistics.rajasthan.gov.in>

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

**DRA ANNUAL INTERNATIONAL CONFERENCE 2024 ON “SOCIO-ECONOMIC
TRANSFORMATION: OPPORTUNITIES AND CHALLENGES”**

Int. Jr. of Contemp. Res. in Multi.

PEER-REVIEWED JOURNAL

Volume 4 [Special Issue 1] Year 2025

CONFERENCE ORGANIZERS

- Desert Research Association (DRA), Headquarters – Jodhpur
- Nehru Study Centre, Jai Narain Vyas University, Jodhpur
- Government Girls College, Jhalamand (Jodhpur)
- Department of Geography, Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College, Sri Ganganagar

In Collaboration with Kalinga University, Raipur (Chhattisgarh)

Disclaimer: The views, opinions, statements, and conclusions expressed in the papers, abstracts, presentations, and other scholarly contributions included in this conference are solely those of the respective authors. The organisers and publisher shall not be held responsible for any loss, harm, damage, or consequences — direct or indirect — arising from the use, application, or interpretation of any information, data, or findings published or presented in this conference. All responsibility for the originality, authenticity, ethical compliance, and correctness of the content lies entirely with the respective authors.